मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 268, मुंबई, शुक्रवार, 9 दिसंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

गोरेगांव में 1600 रुपए में फर्जी आधार और पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का...

भंडाफोड

1 गिरफ्तार

पुलिस ने सेंटर पर छापा मारा और तलाशी के दौरान फर्जी आधार कार्ड, अलग-अलग नाम के पैन कार्ड और डमी ग्राहक का फॉर्म जब्त किया। अधिकारियों ने जब जब्त किए गए आधार कार्डों के साथ दर्ज नंबरों पर कॉल किया तो पता चला कि ज्यादातर नंबर फर्जी थे

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव में 1100 रुपये में फर्जी आधार कार्ड और 500 रुपये में फर्जी पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोरेगांव पुलिस ने बताया कि फर्जी आधार, पैन कार्ड केंद्र का भंडाफोड़ करते हुए 42 वर्षीय एक आरोपी को रंगेहाथ पकड़ा गया है। पुलिस ने कहा, आरोपी की पहचान अरुगेशकुमार मिश्रा (42) के रूप में हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'दीपाली सय्यद का पाकिस्तान-दुबई कनेक्शन, ट्रस्ट बनाकर किया करोड़ों का गबन'

अभिनेत्री और शिवसेना नेता पर गंभीर आरोप

मुंबई। मराठी अभिनेत्री और शिवसेना नेता दीपाली सय्यद पर उनके पूर्व निजी सहायक (पीए) ने बेहद गंभीर इल्जाम लगाया है। आरोप है कि उन्होंने लोगों से ट्रस्ट के जरिए करोड़ो रुपए ठगे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दीपाली के घोटाले की जांच नहीं की गई तो आत्मदहन करूंगा- पूर्व पीए

भाऊसाहेब शिंदे ने कहा कि सय्यद चैरिटेबल ट्रस्ट के लेनदेन की जांच क्राइम ब्रांच से करवाई जाए। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से अपील करने वाले हैं। वे कहते हैं कि अगर दीपाली सय्यद के कारनामों की जांच नहीं हुई तो वे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'सागर' बंगले के बाहर आत्मदहन करेंगे।

कौन हैं दीपाली सय्यद?: बता दें कि दीपाली सय्यद तब चर्चा में आई थी जब उन्होंने बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 10 करोड़ रुपए दान किए थे। इसके बाद वह चर्चा में तब आई जब शिंदे गुट ठाकरे गुट से अलग हुआ था। तब दीपाली सय्यद ने दोनों गुटों के बीच सुलह करवाने की पेशकश की थी। इसके बाद दीपाली सैय्यद की ठाकरे गुट से दूरियां बढ़नी शुरू हुई। उन्होंने उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे पर आरोप लगाया कि शिंदे सरकार के आने के बाद बीएमसी से आनेवाले 'खोखे' मातोश्री में आने बंद हो गए हैं। इसकी रश्मि ठाकरे को बेहद तकलीफ है। दीपाली सय्यद का जन्म एक मराठी परिवार में हुआ था लेकिन उन्होंने फिल्म निर्देशक बॉबी खान से शादी कर ली और सोफिया जहांगीर सय्यद बन गईं। लेकिन सार्वजनिक जीवन में वे दीपाली सय्यद नाम से जानी जाती हैं।

मुंबई हलचल जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

संजय राउत को जान से मारने की धमकी, दो बार आए फोन कॉल

नहीं करेंगे सुरक्षा बढ़ाने की मांग

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें दो बार धमकी से भरे फोन कॉल आने की खबर सामने आई। बुधवार को दिन भर में दो बार ऐसे धमकी भरे कॉल आए। फोन में राउत को जान से मारने की धमकी दी गई। इस खबर से खलबली मच गई है। ये कॉल बुधवार को शिंदे गुट के नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आने शुरू हुए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में प्रॉपर्टी की लालच में बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

मुंबई। मुंबई से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया हैं। 40 साल के एक कलयुगी बेटे ने अपनी 74 साल की मां को मौत के घाट उतार दिया है। आरोपी बेटे ने मां की हत्या करने के बाद उसके शव को नौकर की मदद से नेरल-माथेरान के पास एक सुनसान खाई में फेंक दिया था। जुहू पुलिस ने आरोपी बेटे और उसके नौकर को गिरफ्तार कर लिया है। मृत महिला की पहचान 74 वर्षीय बीना कपूर के तौर पर हुई है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि उसका शव नेरल-माथेरान रोड क्षेत्र में मिला। पुलिस के मुताबिक, मृतका और उसका 40 साल का बेटा सचिन, जो अविवाहित है, दोनों साथ में रहते थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

काबुलः भारत नई पहल करे

पिछले साल काबुल पर तालिबान का कब्जा होते ही भारत सरकार बिल्कुल हतप्रभ हो गई थी। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? हमारे विदेश मंत्री ने कहा था कि हम बैठे हैं और देख रहे हैं। उसी समय मैंने तालिबान के कब्जे के एक-दो दिन पहले ही लिखा था कि भारत सरकार को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरत है लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे कुछ अनुभवी अफसरों की पहल पर भारत सरकार ने ठीक रास्ता पकड़ लिया। उसने दोहा (कतर) में स्थित तालिबानी तत्वों से संपर्क बढ़ाया, अफगानिस्तान को हजारों टन गेहूं और दवाइयां भेजने की घोषणा की और तालिबान सरकार से भी संवाद किया। काबुल स्थित अपने दूतावास को भी सक्रिय कर दिया। उधर तालिबान नेताओं और प्रवक्ता ने भारत की मदद का आभार माना, हालांकि भारत सरकार ने उनकी सरकार को कोई मान्यता नहीं दी है। इस बीच इस साल जनवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य एशिया के पांचों गणतंत्रों के मुखियाओं के साथ सीधा संवाद भी कायम किया था। उन्होंने शांघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में अफगानिस्तान के बारे में भारत की चिंता को व्यक्त किया था। अफगानिस्तान में आतंकवादी शक्तियां अब ज्यादा सक्रिय न हो जाएं, इस दृष्टि से भारत ने कई पड़ौसी देशों के प्रतिनिधियों का सम्मेलन भी किया था लेकिन हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित दोभाल बधाई के पात्र हैं कि जिन्होंने नई दिल्ली में कल पांचों मध्य एशिया राष्ट्रों– तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किरगिजिस्तान– के सुरक्षा सलाहकारों का पहला सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में मुख्य विषय यही था कि अफगानिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बनने से कैसे रोका जाए? पाकिस्तान के ज्यादातर आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान के कबाइली इलाकों से अपना जाल फैलाते हैं। न पाकिस्तान और न ही अफगान सरकार उन पर काबू कर पाती है। उनकी शक्ति का असली स्त्रोत वह पैसा ही है, जो इस्लामी देशों से आता है और अफीम की खेती है। सभी सुरक्षा सलाहकारों ने इन स्त्रोतों पर कड़ी रोक लगाने की घोषणा की है। सभी प्रतिनिधियों ने तालिबान सरकार से मांग की है कि वह इन आतंकियों को किसी भी तरह की सुविधा न लेने दे। अपने इस आग्रह को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव न. 2593 के अनुसार ही बताया है। भारत सरकार की इस पहल का कुछ न कुछ ठोस असर जरूर होगा लेकिन यह तो तात्कालिक समस्या का तात्कालिक उपचार है। फिलहाल जरूरत है, संपूर्ण दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के राष्ट्रों के बीच यूरोपीय संघ की तरह एक साझी संसद, साझी न्यायपालिका, साझा बाजार, साझी मुद्रा, मुक्त व्यापार और मुक्त आवागमन की व्यवस्था कायम हो। यदि भारत इसकी पहल नहीं करेगा तो कौन करेगा? सरकारें करें या न करें, इन देशों की जनता, जिसमें ईरान, म्यांमार और मोरिशस को भी शामिल कर ले तो इन 16 राष्ट्रों को मिलाकर 'जन-दक्षेस' नामक संगठन के जरिए एक युगांतरकारी संगठन खड़ा किया जा सकता है। यदि भारत की पहल पर यह संगठन बन गया तो एशिया अपने 10 वर्षों में ही यूरोप से अधिक समृद्ध हो सकता है।

एक्जिट पोल का तमाशा!

देश का शायद ही कोई मतदाता होगा, जिसके पास कभी सर्वे करने वाले पहुंचे होंगे। कई बार इनका आकलन सही भी होता है लेकिन वह संयोग होता है। ध्यान रहे कोई भी विज्ञान संयोगों के सहारे नहीं चलता है लेकिन अनुमान संयोगों के सहारे सही या गलत होते हैं। वहीं भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के साथ होता है। इसलिए इस तमाशे को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। हां, मतदान समाप्त होने और नतीजे आने के बीच दो-तीन दिन का समय होता है, उस बीच मनोरंजन के लिए इसे देखा और इस पर चर्चा की जा सकती है।

दुनिया भर के विकसित देशों में एक्जिट पोल असली नतीजों से पहले उसका संकेत देने के लिए होता है लेकिन भारत में पैसा कमाने, किसी खास दल के प्रति निष्ठा दिखाने, टीआरपी बढ़ाने या विशुद्ध रूप से तमाशे के लिए होता है। मीडिया समूह और सर्वेक्षण करने वाली एजेंसियां या तो चुनावी हवा या चर्चा के आधार पर अपने आंकड़े तैयार करती हैं या अपने वैचारिक रूझान के मुताबिक नतीजों का अनुमान जाहिर करती हैं या किसी लाभ के लिए किसी खास दल के पक्ष में अनुमान जताती हैं। एकाध गौरवशाली अपवादों को छोड़ दें तो इसमें कोई वैज्ञानिकता या वस्तुनिष्ठता या ईमानदारी नहीं होती है। यही वजह है कि भारत में ओपिनियन और एक्जिट पोल दोनों तमाशा बन कर रह गए हैं।

इस तमाशे को समझने के लिए बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। दिल्ली नगर निगम के वास्तविक नतीजों का मिलान अगर एक्जिट पोल के अनुमानों से कर लें तो सारी तस्वीर साफ हो जाएगी। लगभग सभी मीडिया समूहों और सर्वे एजेंसियों ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की भारी भरकम जीत का अनुमान जताया था। कई एजेंसियों ने तो नगर निगम की ढाई सौ सीटों में से 170 से 190 तक सीटें आप को दी थीं लेकिन वह उससे काफी नीचे अटक गई। किसी ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर का अनुमान नहीं लगाया था। लेकिन दोनों के बीच नजदीकी मुकाबला रहा। राजनीतिक पार्टियां इस तमाशे से कैसे प्रभावित होती हैं उसकी भी मिसाल दिल्ली नगर निगम का चुनाव है। एक्जिट पोल के अनुमानों के आधार पर आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता का आभार जता दिया और नतीजे आने से पहले पूरी दुनिया में पोस्टर और होर्डिंग लगा कर वादा कर दिया कि अगले पांच साल बहुत अच्छे होंगे।ओपिनियन और एक्जिट पोल करने वाली एजेंसियों और उनका प्रसारण करने वाले मीडिया समूहों को पता है कि राजनीतिक पार्टियों को उनकी जरूरत है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण से पार्टियों को चुनावी हवा बनानी होती है तो एक्जिट पोल का इस्तेमाल किसी न किसी स्तर पर नतीजों को प्रभावित करने के लिए होता है। सो, पार्टियां अलग अलग एजेंसियों के सहारे अपने पक्ष में हवा बनवाती हैं। आमतौर पर सत्तारूढ़ दल को या सबसे ज्यादा विज्ञापन देने या पैसा खर्च करने वालों के पक्ष में ओपिनियन और एक्जिट पोल के नतीजे आते हैं। इस वजह से सर्वे करने वाली एजेंसियां बुरी तरह से गलत साबित होती हैं फिर भी उन्हें शर्म नहीं आती है। अगली बार फिर वे इसी तरह का प्रायोजित सर्वेक्षण पेश कर रहे होते हैं।

ध्यान रहे ओपिनियन और एक्जिट पोल में बहुत फर्क होता है। ओपिनियन पोल मतदान से पहले होता है और उसमें गड़बड़ी की संभावना रहती है क्योंकि कई बार मतदान करने जाते समय तक मतदाता अपना मन बदलता है। लेकिन एक्जिट पोल वोट डालने के बाद का सर्वे होता है और इसलिए यह परफेक्ट होना चाहिए। उसमें किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए और अलग अलग एजेंसियों के आंकड़ों में ज्यादा फर्क भी नहीं होना चाहिए। लेकिन न सिर्फ एक्जिट पोल पूरी तरह से गलत होते हैं, बल्कि सारी एजेंसियों के आंकड़ों में भी फर्क होता है। इससे पता चल जाता है कि किस एजेंसी का रूझान किस पार्टी की ओर है। वह रूझान किसी भी कारण से हो सकता है। मिसाल के तौर पर पिछले साल हुए पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में एक बड़े राष्ट्रवादी पत्रकार के न्यूज चैनल ने भाजपा को 192 सीट मिलने का अनुमान जताया था और कहा था कि तृणमूल कांग्रेस को 88 सीटें मिलेंगी। वास्तविक नतीजों में भाजपा 77 सीट पर रह गई और तृणमूल को 214 सीटें मिलीं। लगभग सभी चैनलों ने बंगाल में भाजपा के सबसे बड़ी पार्टी बनने का अनुमान जाहिर किया था। इसी तरह 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में लगभग सभी एजेंसियों ने आम आदमी पार्टी की सरकार बनने का अनुमान जताया था। इस तरह के अनेक चुनावों की मिसाल दी जा सकती है, जहां एक्जिट पोल के बिल्कुल उलट वास्तविक नतीजे आए। असल में भारत में कभी भी ओपिनियन और एक्जिट पोल सही साबित हो ही नहीं सकते हैं। इसके तीन-चार बुनियादी कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि भारत में जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां वैचारिक रूप से ईमानदार नहीं हैं उसी तरह मतदाताओं में भी वैचारिक ईमानदारी की कमी है। किसी खास दल के लिए प्रतिबद्धता रखने वाले मतदाताओं की संख्या बहुत कम है। ज्यादातर मतदाता किसी न किसी असर में वोट डालते हैं। अंतिम समय में उनका वोट किसी भावनात्मक मुद्दे की वजह से बदल जाता है तो कभी जाति व धर्म पर बदल जाता है तो कभी किसी लालच में या दबाव में बदल जाता है। दुनिया के जिन विकसित देशों से चुनाव सर्वेक्षण का विज्ञान भारत आया है उन देशों में पार्टियों के रजिस्टर्ड मतदाता होते हैं। वे चुनाव से पहले जो बात कहते हैं वही बात चुनाव से बाद भी कहते हैं। इसलिए वहां ओपिनियन और एक्जिट पोल और वास्तविक नतीजों में ज्यादा अंतर नहीं होता है।

दूसरा कारण यह है कि भारत में सर्वेक्षण करने वाली एजेंसियां, उनका प्रसारण करने वाले मीडिया समूह और उनके संपादक-पत्रकार आदि किसी न किसी तरह के पूर्वाग्रह से ग्रसित होते हैं। ज्यादातर लोग अपने काम के प्रति ईमानदार नहीं होते हैं। वे अपनी वैचारिक या राजनीतिक निष्ठा के आधार पर चुनाव पूर्व या चुनाव बाद के सर्वेक्षण के नतीजे तैयार करते हैं। तीसरा कारण यह है कि चुनाव सर्वेक्षण करना एक तरह का विज्ञान है लेकिन भारत में विज्ञान का कोई सिद्धांत अप्लाई नहीं किया जाता है। सभी मीडिया समूहों और सर्वे करने वाली एजेंसियों के पास अपने टेम्पलेट होते हैं, जिनमें आंकड़े भर लिए जाते हैं। जिसको जहां से फायदा होता दिखता है वह उसकी जीत दिखा देता है। अगर किसी को कहीं से फायदा नहीं हो रहा है तो वह हवा का रुख देख कर अपने आंकड़े तैयार कर लेता है। देश का शायद ही कोई मतदाता होगा, जिसके पास कभी सर्वे करने वाले पहुंचे होंगे। कई बार इनका आकलन सही भी होता है लेकिन वह संयोग होता है। ध्यान रहे कोई भी विज्ञान संयोगों के सहारे नहीं चलता है लेकिन अनुमान संयोगों के सहारे सही या गलत होते हैं। वहीं भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के साथ होता है। इसलिए इस तमाशे को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। हां, मतदान समाप्त होने और नतीजे आने के बीच दो-तीन दिन का समय होता है, उस बीच मनोरंजन के लिए इसे देखा और इस पर चर्चा की जा सकती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दिवा शहर में नशेड़ी पति-पत्नी ने की बुजुर्ग की हत्या

स्थानीय रहिवासियों द्वारा पकड़कर किया गया पुलिस के हवाले

मुंबई हलचल/संवाददाता

दिवा। दिवा शहर में नशेड़ी पति पत्नी द्वारा एक बुजुर्ग की हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 3 दिसंबर शनिवार रात 9:30 बजे के करीब आरोपी मोहम्मद जुबेर मोहम्मद रउफ खान और उसकी पत्नी रेशमा यह दोनों पति पत्नी चोरी के इरादे से साईं कुंज इमारत से गुजर रहे थे तभी उसी वक्त अभिमन्यु कालू पाटिल वर्ष 67 रहवासी दिवा के बताए जा रहे हैं यह बुजुर्ग ने यह दोनों पति पत्नी को पूछा कि तुम लोग यहां पर क्यों

घूम रहे हो इस बात को लेकर दोनों नशेड़ी पति पत्नी ने लकडे के डंडे से बुजुर्ग के सर और मुंह पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और स्थानीय रहवासियों की मदद से यह दोनों नशेड़ी पति पत्नी को पकड़ कर मुंब्रा पुलिस के हवाले कर दिया गया और बुजुर्ग अभिमन्यु कालू पाटिल को घायल अवस्था में कौसा के कालसेकर अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां पर डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बुजुर्ग को मृत्यु घोषित कर दिया गया मुंब्रा पुलिस द्वारा दोनों नशेड़ी पति-पत्नी के विरुद्ध में गुं: रेजिं: क्रं:1142/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर दोनों पति-पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया आगे की कार्रवाई मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है फिलहाल वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा यह जानकारी दी गई है कि यह आरोपी यूपी का रहने वाला है और इस पर कोई अपराध दर्ज है या नहीं है इसकी छानबीन मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है जिस तरह से नशेड़ी पति पत्नी ने एक बुजुर्ग की हत्या कर दी इसके चलते पुलिस को नशे पर सख्त प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

पूर्व विरोधी पक्ष नेता शानू अशरफ पठान को ठाणे नौपाड़ा पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार, फिर जमानत पर किया गया रिहा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। एनसीपी पार्टी पर गिरफ्तारी का संकट थमने का नाम ही नहीं ले रहा है अब ऐसा माना जा रहा है जैसा एनसीपी पार्टी के सितारे गर्दिश में आ गए हैं अभी हाल ही में कलवा मुंब्रा के विधायक जितेंद्र अवार्ड को दो मामलों में गिरफ्तार किया गया था उसके बाद न्यायालय द्वारा जमानत ली गई अब उनके बाद शानू पठान का गिरफ्तारी का मामला सामने आया है इस पूरे मामले में मिली जानकारी के अनुसार गत 7 दिसंबर सवेरे 11 बजे एनसीपी के पूर्व विरोधी पक्ष नेता शानू

अशरफ पठान को ठाणे की नौपाड़ा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया और उसके बाद जमानत पर पुलिस द्वारा रिहा कर दिया गया दरअसल मामला क्या है आपको बताते चलें कोरोना काल के समय जब ऑक्सीजन और रेमडेसिरिर इंजेक्शन की कमी होने लगी थी उसको देखते हुए शानू पठान ने मनपा कार्यालय में जाकर मनपा आयुक्त से ऑक्सीजन की और रेमडेसिरीर इंजेक्शन की मांग को लेकर सर पर खाली ऑक्सीजन का बाटला रखकर विरोध प्रदर्शन किया था जिसके चलते मनपा प्रशासन द्वारा यह एफआईआर दर्ज की गई थी इसी एफआईआर के चलते ठाणे पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के बाद शानू पठान को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

अपने ही घर से लाखों रुपए चुराने के लिए मजबूर हुई व्यापारी की बेटी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक लड़के ने नाबालिग लड़की को धमकी देकर उसे उसके ही घर में चोरी करने के लिए मजबूर किया है। आरोपी लड़के ने नाबालिग लड़की से करीब 5 लाख रुपए और कीमती गहने तक हड़प लिए हैं। घटना मुंबई के नागपाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी लड़के के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नागपाड़ा पुलिस के मुताबिक, आरोपी लड़के ने 12 साल की नाबालिग की अश्लील तस्वीरें खींच लीं और उसको धमकी देना शुरू कर दिया। इस डर की वजह से पीड़ित नाबालिग ने अपने घर से कीमती सोने और हीरे के गहने समेत पांच लाख रुपए चुराकर आरोपी लड़के को दे दिए। इस मामले पर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि लड़की आरोपी से साल 2019 में संपर्क में आई थी। वह आरोपी से अपने स्कूल के बाहर मिलती थी। आरोपी लड़के ने पीड़ित लड़की को अपना नाम अमन बताया था। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने आगे बताया कि लड़की एक इग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती है और आरोपी लड़के से वह अपने स्कूल के बाहर मिली थी। आरोपी लड़के ने उससे दोस्ती की और उसे नागपाड़ा के एक कमरे में ले गया, जहां आरोपी ने उसकी कुछ अश्लील तस्वीरें खींच ली। इसके बाद आरोपी उसकी अश्लील तस्वीरें दिखाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। जिसकी वजह से नाबालिक लड़की ने शुरू में अपने घर से तीन लाख रुपए चुराए और बाद में दो लाख रुपए गायब करके आरोपी को दे दिया। नाबालिग लड़की ने अपने घर से हीरे की अंगूठी, हीरे की चूड़ियां, गले का हार, गले का हीरे का सेट, सोने की चेन और सोने का लॉकेट समेत अन्य गहने भी चुराने शुरू कर दिया और आरोपी को देते गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गोरेगांव में 1600 रुपए में फर्जी आधार और पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 1 गिरफ्तार

आरोपी कथित तौर पर पहले फर्जी आधार कार्ड बनाता था, फिर उसकी मदद से ओरिजिनल पैन कार्ड बनाता था। पुलिस ने उसके पास से करीब 30 आधार कार्ड और 7 पैन कार्ड भी जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने कहा, मिश्रा कई वर्षों से गोरेगांव पश्चिम के प्रेम नगर इलाके में एक सेंटर चला रहा था। हमें जानकारी मिली थी कि वह लोगों से पैसे वसूल कर फर्जी दस्तावेज बनाने के काम में लिप्त है। जिसके बाद मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई और सबूत मिलने पर पुलिस टीम ने रविवार को सेंटर पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया, पुलिस ने एक डमी ग्राहक को पैन कार्ड बनवाने के लिए सेंटर पर भेजा, आरोपी ने 1000 रुपये लिए और फॉर्म भर दिया। फिर उसने दस दिन में कार्ड ले जाने के लिए कहा। पुलिस ने सेंटर पर छापा मारा और तलाशी के दौरान फर्जी आधार कार्ड, अलग-अलग नाम के पैन कार्ड और डमी ग्राहक का फॉर्म जब्त किया। अधिकारियों ने जब जब्त किए गए आधार कार्डों के साथ दर्ज नंबरों पर कॉल किया तो पता चला कि ज्यादातर नंबर फर्जी थे। मिश्रा पर आईपीसी की धारा 420, 465, 466, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेजा है। अधिकारी ने बताया कि हमें संदेह है कि ऑनलाइन ठगी करने वाले लोग बैंक अकाउंट खोलने के लिए ऐसे ही फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करते हैं। आरोपी मिश्रा ऐसे किसी गिरोह से जुड़ा है या नहीं, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

दीपाली सय्यद का पाकिस्तान-दुबई कनेक्शन

उन्होंने एक ट्रस्ट बनाया और लोगों से करोड़ों रुपए इसके नाम पर लूटे। आज इस ट्रस्ट में सिर्फ 9 हजार 182 रुपए बचे। बाकी दीपाली ने गबन कर डाले। यानी ट्रस्ट के नाम जमा किया हुआ पैसा अपने इस्तेमाल के लिए उड़ा लिया। पूर्व पीए ने यह भी आरोप लगाया है कि उनका पाकिस्तान और दुबई कनेक्शन है। पीए का कहना है कि अगर ट्रस्ट के कारोबार की जांच होगी तो बहुत बड़ा सच सामने आएगा। दीपाली के पीए रह चुके शख्स का नाम भाऊसाहेब शिंदे है। भाऊसाहेब शिंदे ने मांग की है कि दीपाली सय्यद के ट्रस्ट के लेन-देन की जांच की जाए, वरना वे आत्मदहन कर लेंगे। दीपाली सय्यद ने आरोप ठुकरा दिया है और यह आरोप तथ्यहीन बताया है। दीपाली सय्यद के पूर्व पीएम भाऊसाहेब शिंदे ने कहा सय्यद चैरिटेबल ट्रस्ट के अकाउंट में सिर्फ 9 हजार 182 रुपए पाए गए। बाकी की रकम का दीपाली सय्यद ने क्या किया, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा वे जल्दी ही इस संबंध में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मिलकर जांच की मांग करेंगे।

संजय राउत को जान से मारने की धमकी

ये धमकी भरे कॉल कन्नड़ रक्षण वेदिका (कर्वे) संगठन की ओर से आने की आशंका जताई जा रही है। शंभूराज देसाई ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने संजय राउत पर जोरदार निशाना साधा था। राउत ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के मुद्दे पर सीएम एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी की थी। उन्होंने शिंदे सरकार को नामर्द सरकार कहा था और कहा था कि शिंदे सीएम बनने के लिए योग्य नहीं हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा था कि शिंदे सरकार को दिल्ली दरबार अपने डोरमेट की तरह इस्तेमाल कर रहा है। उसी के विरोध में देसाई ने राउत पर निशाना साधा। शंभूराज देसाई ने जवाब में कहा था राउत अपनी जबान को लगाम दें।संजय राउत को सीमा-विवाद पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। साढ़े तीन महीने जेल में रह कर आए हैं तो क्या बाहर की आबोहवा पसंद नहीं आ रही है? खुद बेलगामी कोर्ट में हाजिर होने की हिम्मत नहीं है और सीएम एकनाथ शिंदे पर सवाल उठाते हैं, दम था तो समन्स दिए जाने के बाद हाजिर होने क्यों नहीं गए? इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राउत को धमकी भरे कॉल्स आने शुरू हो गए।

मुंबई में प्रॉपर्टी की लालच में बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

मां-बेटे के बीच प्रॉपर्टी को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। गुस्सा ज्यादा बढ़ने पर सचिन ने मां को बेसबॉल के बल्ले से पीटा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि कथित हत्या के बाद उसने और नौकर छोटू मंडल ने बुजुर्ग महिला की शव को कार में बांधकर डाल दिया और रायगढ़ जिले के एक जंगली इलाके में जाकर फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बेटा पेशे से एक टीचर है और बच्चों को होम ट्यूशन देता है। मंगलवार सुबह 6 से 7 बजे के बीच जुहू के गुलमोहर रोड क्षेत्र में रहने वाली बीना और सचिन में जमकर मारपीट हुई थी।

महाराष्ट्र मुंबई में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से एक महासभा का आयोजन किया गया, उसमें सभी धर्म के लोगों को निमंत्रित किया गया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुगल मस्जिद भिंडी बाजार मुंबई महाराष्ट्र में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से महासभा का आयोजन किया गया महाराष्ट्र के निवासी सय्यद सरदार नवाब साहब को महाराष्ट्र का शिया पर्सनल लॉ बोर्ड का उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है शिया धर्मगुरु मौलाना सय्यद या यासुब अब्बास साहब के हाथों से नवाब साहब को सम्मानित किया गया इस महासभा को आयोजित करने का मकसद यह था की शिया समुदाय के लोगों को सरकार द्वारा जो सुविधा मिलती है वो उन तक नहीं पहुंच पाती है उस हक को दिलाने के लिए मौलाना यासूब साहब ने महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सय्यद नवाब साहब को सौंपी है ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड का एजेंण्डा यह है जैसे यूपी और बिहार में शिया पर्सनल लॉ बोर्ड बना है सुन्नी पर्सनल लॉ बोर्ड से अलग बना है उसी तरह महाराष्ट्र में और हर राज्यों में अलग होना चाहिए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की यह मांग है जिसमें शिया समुदाय के लोगों को बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होंगी मौलाना यासुब साहब महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष नवाब साहब ने महासभा में एलान किया की हम आर्तकियों के सख्त खिलाफ है हमारा संघर्ष 1400 सौ वर्षों से आर्तकियों के खिलाफ है और आगे भी रहेगा शिया धर्म गुरुओं की मांग है सऊदी प्रशासन से यह है की पैगम्बर हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लल्लाहो अलैही व आलेहि वसल्लम की बेटी हजरत जनाबे फात्मा जहर सलामुल्ला अलैहे के उनके रौजे की तामीर करने की अपील की है महाराष्ट्र निवासी सय्यद सरदार नवाब साहब से शिया समुदाय को बहुत उम्मीद है कि वो शिया समुदाय का हक दिलानें सें सक्षम रहेंगे उनको जो पद मिला है उसपर वो खरे उतरेंगे नवाब साहब पहले भी बहुत बड़े बड़े धार्मिक और राजनीतिक कार्यों में पदाधिकारी रह चुके है और बहुत बड़े बड़े कार्य कर चुके है उनकी इसी काबिलियत और हौसले को देखते हुवे और अनकी साफ सुत्री छवि को देखते हुए नवाब साहब को महाराष्ट्र का शिया पर्सनल लॉ बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मुंबई की कक्षा 7 की स्टूडेंट ने सफलता पर नई किताब लिखी

मुंबई। आर्किड दी इंटरनेशनल स्कूल, मालाड, मुंबई की कक्षा 7 की छात्रा ने हाल ही में सफलता कैसे पाएं इस विषय पर एक किताब लिखी है। दी वीपन फार सक्सेसः एन एसेंशियल गाइड नामक यह किताब अध्ययन बुक्स ने प्रकाशित की है। 12 वर्ष की इस छात्रा का नाम काव्या है, और यह किताब उसने अपने जीवन में पाई सफलताओं के आधार पर लिखी है। काव्या अभी यू-ट्यूब पर भी अपना मोटिवेशनल जानकारी देने का काम कर रही है। उसे राज्य स्तर पर स्केटिंग प्रतियोगिता में उस समय से ही मेडल मिलते रहे हैं जब वह मात्र तीन वर्ष की थी। काव्या को ओलंपियाड की परिक्षाओं में भी तमाम मेडल प्राप्त हो चुके हैं। उसने चार वर्ष की उम्र से ही टेलीविजन इंडस्ट्री में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करना शुरू कर दिया था। फिलहाल वह अभी शास्त्रीय नृत्य सीख रही है और किसी भी बालीवुड के गाने पर अपना नृत्य दिखा सकती है। उसे बेले डांस की भी अच्छी समझ है। काव्या को मिमिक्री करना भी आता है और कीबोर्ड पर गाने बजा सकती है। कोविड-19 के समय उसने महामारी को लेकर एक शार्ट फिल्म लिखने के साथ-साथ उसका निर्माण और निर्देशन भी किया था। लॉकडाउन के दौरान काव्या आनलाइन डांस की कक्षाएं ले रही थी। लाइफ कोच और प्रोग्रेमर की इकलौती बेटी काव्या बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अवसर तलाशने में जुटी है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो पद यात्रा में महिला कांग्रेस की भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष हिरण शामिल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। झालावाड़ चावली बॉर्डर राजस्थान से राहुल जी गांधी भारत जोड़ों पदयात्रा महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा हिरण ने स्वागत किया और थोड़ी देर साथ मे चलने का मौका दिया। रेखा हिरण ने राहुल गांधी की पदयात्रा में रोजाना 25 से 30 किलोमीटर राहुल गांधी के काफिले के साथ चल रही है।महिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रेखा हिरण 15 दिनों के लिए राजस्थान से पदयात्रा में शामिल होने का लक्ष्य दिया गया। हिरण का मानना है कि जब हमारा राहुल गांधी जब कन्याकुमारी से कश्मीर घर ऐशो आराम छोड़कर भारत देश के लिए एक नारा नफरत छोड़ो भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर पैदल चल चल सकते हैं तो हम भी हमारे राजस्थान से यात्रा निकल रही है तो हम घर मे कैसे रह सकते हैं। राहुल गांधी कन्याकुमारी से अब तक 2300 किलोमीटर चल चुके हैं। हिरण आज तक 100 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चल चुकी है। रेखा हिरण राहुल गांधी से दो बार मिल चुकी हैं। एक बार स्वयं राहुल गांधी ने खुद ने आवाज देने पर बुलाया। 6 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो पदयात्रा का लाइव आप देख सकते हैं राहुल गांधी के राहुल गांधी के लिए एक अमरूद की बगीची से पैदल चलते हुए अमरूद के पेड़ दिखे तो तोड़कर पदयात्रा के काफिले में राहुल गांधी को आवाज देकर अमरूद देने की बात कही तो राहुल गांधी खुद सिक्योरिटी तोड़कर अमरूद लेने पहुंच गए और अमरुद भी खाया साथ मे उदयपुर से महिला जिला अध्यक्ष नजमा मेवाफरोश साथ बराबर चली है और यात्रा के दौरान बीच मे अलका लढा, रेखा भट्ट , मीना सोनी, शोभाटाक एक दिन के लिए शामिल हुई। उक्त जानकारी महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा हिरण ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

सड़क काम के लिए दिवा में मुख्यमंत्री निधी कोष, माननीय उप महापौर रमाकांत माधवी द्वारा उद्घाटन

ठाणे। दिवा में बालासाहेब की शिव सेना समूह के माध्यम से माननीय श्री एकनाथजी शिंदे और सांसद माननीय श्री. श्रीकांतजी शिंदे के प्रयास और डिप्टी मेयर रमाकांतजी मढवी के सहयोग से श्रीमती दीपाली उमेश भगत डीजी कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग नंबर 02 से यशोदा पाटिल अपार्टमेंट तक आंतरिक सड़क की कंक्रीटिंग का काम शुरू किया गया और डिप्टी मेयर रमाकांतजी मढवी जी ने कहा कि दिवा की हर सड़क अच्छी गुणवत्ता वाली होगी और उद्घाटन उनके द्वारा किया गया। नीलेश पाटिल, विभाग प्रमुख गुरुनाथ पाटिल, अर्चना पाटिल, दिगंबर भोईर, किरण माधवी, अंकलेश पाटिल, अविनाश गुरव, मुन्ना भोईर आदि गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत और दुनिया में हो रहे बदलावों की झलक है: अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचरण शर्मा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजसमंद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हमारे जीवन और समाज में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहे हैं। इनका उपयोग हम अपने विकास के लिए बखूबी कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत और दुनिया में हो रहे परिवर्तनों की एक झलक हम केंद्रीय संचार ब्यूरो की मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में देख सकते हैं। यह उद्गार राजसमंद के अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचरण शर्मा ने व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय-उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले के समय में ज्ञान तक लोगों की पहुँच सीमित मात्रा में थी। छोटी से छोटी जानकारी जुटाने के लिए भी बहुत परिश्रम करना पड़ता था। मगर आज अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम कई तरह की जानकारियां कुछ ही क्षणों में हासिल कर सकते हैं। इस प्रदर्शनी में कई प्रकार की अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। विद्यार्थी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। कार्यक्रम मे अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चैहान ने ग्राम विकास से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने कहा कि जिले मे जिस किसी के शौचालय नही बने है उसके बारे मे अवगत कराये जिससे उन्हे स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय निर्माण हेतु लाभान्वित किया जा सके। कार्यक्रम के तीसरे सत्र में कृषि विभाग के उप निदेशक कैलाश चन्द्र मेघवंशी ने किसानों के विकास के लिए कृषि विभाग के संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय में वृद्धि के लिए कई प्रकार के कदम उठा रही है और उनके सशक्तीकरण का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय डाक विभाग के सहायक प्रवर अधीक्षक तिलकेश शर्मा ने सुकन्या समृद्धि योजना, इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट, पीएलआई के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि जिले मे सुकन्या समृद्धि योजना के लगभग 33000 पात्र बालिकाओ के खाते खोलकर इस योजना से जोडा गया। महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक रश्मि कोशिश ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओ आर एस सी आई टी, समूह विवाह योजना की अनुदान राषि, महिला सखी केन्द्र के बारे मे जानकारी दी। सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक वीणा मेहर चन्दानी एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी रणछोड गर्ग पालनहार, अनुप्रीति कोचिंग योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, स्कूटी वितरण योजना, एकल नारी पेंशन योजना के बारे मे जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि पालनहार योजना के तहत 10350 परिवार को लाभान्वित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रचार सहायक फूलचन्द गहलोत ने किया। इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों के लिए पुशअप्स प्रतियोगिता, मौखिक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

जीवन में परमात्मा की कृपा से ही हमारा उद्धार सम्भव है: डॉ. जयेन्द्र आचार्य

मुंबई हलचल / भैरू सिंह राठौड़

राजस्थान। आर्य समाज, आर्ष गुरुकुल एवं वानप्रस्थाश्रम नोएडा के भव्य वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन सामवेद पारायण यज्ञ का आयोजन किया गया। आज के मुख्य यज्ञमान सर्वश्री मनोवीर आर्य सपरिवार, श्रीमती एवं श्री काठपालिया जी, श्रीमती कविता आर्या एवं जितेन्द्र आर्य, मास्टर अयान भसीन रहे।यज्ञाहुति श्रीमती ओमवती गुप्ता, शबनम गुलाटी, स्नेह सेठ, शशि आनंद, संतोष लाल, आदर्श बिश्नोई एवं कमलेश भाटिया द्वारा दी गई। महायज्ञ के ब्रह्मा डॉ जयेंद्र आचार्य आर्ष गुरुकुल नोएडा रहे व वेदपाठ आर्ष गुरुकुल नोएडा के ब्रह्मचारियों द्वारा किया गया। ऋत्विक श्रीमती गायत्री मीना एवं ओमकार शास्त्री रहे। डॉ जयेंद्र आचार्य ने सामवेद के पवित्र मंत्र की व्याख्या करते हुए बताया कि परमात्मा संसार का सबसे बड़ा राजा है जिसका यश कभी समाप्त नहीं होता उसके समान यशस्वी कोई नहीं उसकी कोई बराबरी नहीं देश के राजा को सत्य पसंद नहीं बल्कि चापलूसी और झूठ पसंद आता है ये बस नाम के ही राजा हैं इन राजाओं का राजा तुम ही हो तुम्हें न तो झूठ पसंद है और न ही चापलूसी।ससांर में झूठों और चापलूसी करने वालों की कोई कमी नहीं। आचार्य जी ने बीरबल अकबर और बैंगन का दृष्टांत सुनाया जिसके अनुसार बीरबल द्वारा पहले बैंगन की तारीफ की फिर जब अकबर को बैंगन खाने से दिक्कत आयी तो बीरबल ने बैंगन की बुराई की इसे चापलूसी ही कहते हैं। भगवान को झूठी चापलूसी पसंद नहीं साधारण राजा तो सभी का खून चूसते हैं छोटा उपहार देकर। परमात्मा सबकुछ देकर भी कुछ नहीं लेते परमात्मा तुम्हारा दिया शरीर व अंग लेकर मैं तुम्हारा ठीक से धन्यवाद भी नही कर सकता। वाणी तेरी दी हुई है पर क्षमता नहीं, मेरे गुण नहीं, तेरी स्तुति कैसे करूं? परमात्मा मैं चाहता हूं मेरे हृदय के मंदिर को पावन कर दो तुम पावन हो,गुणों की खान हो।तुम्हारी मदद पाने से, तुम्हारी दया से मेरा उद्धार हो जाएगा, ऐसा सुंदर शरीर तुमने मुझे दिया है। आचार्य जी ने बताया कि जीवन में अच्छे कर्म करते रहो और उसके समर्पित करते रहो। सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक पं. दिनेश पथिक एवं ब्रह्मचारी दीपक ने ईश्वर भक्ति के सुंदर भजनों से सभी का मन मोह लिया ऋषि को समर्पित भजन द्वारा टंकारा वाले को नमन किया गया 'टनक टनक टंकार है टंकारा की, जय बोलो टंकारा की। जग में जय जयकार है टंकारा की, जय बोलो टंकारा की।'

पुलिस मुख्यालय मध्य प्रदेश द्वारा शेख फैयाज को किया सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश जहांगीराबाद भोपाल द्वारा कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा चार दिवसीय स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक लगाया गया था जिसको देखते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से विजय कटारिया जी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पी.एन. सिंह एवं सभी स्टाफ द्वारा संस्था को एवं सभी डॉक्टरों का सर्टिफिकेट दिया गया जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे जी को भी सम्मानित किया गया मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम बीएसडब्ल्यू छात्र कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

तुलसी संग ठाकुर जी ने ब्याह रचाया, ठाकुर जी की बारात का चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरू सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के रायला कस्बे की चारभुजा कॉलोनी रीको एरिया के चारभुजा मंदिर से गुरुवार को ठाकुर जी महाराज का शालिगराम जी ने माता तुलसी से विवाह रचाने के लिए शालिगराम जी की बारात चारभुजा नाथ मंदिर से गाजे-बाजे के साथ रवाना हुई। बारात सुबह 10:15 बजे रीको एरिया रायला चारभुजा नाथ मंदिर से प्रारंभ हुई जो बापू नगर रायला स्थित मंशापूर्ण बालाजी मॉदिर विवाह स्थल पर 12.00 बजे पहुंची। इस दौरान ठाकुर जी की बारात में भक्तगण नाचते-गाते चले तो महिलाएं मंगल गीत गाती हुई चली। वहीं ठाकुर जी की बारात में बैंड बाजे और ढोल बाजे के साथ ठाकुर जी की बिंदोरी निकाली गई। गुरुवार सुबह 12:15 बजे ठाकुर जी तोरण की रस्म अदा कर मंडप में बिराजे और माता तुलसी के साथ सात फेरे लिए ठाकुर जी संग तुलसी विवाह को लेकर ग्रामीण इलाकों में अपनी एक अलग ही मान्यता है। शालिगराम जी माता तुलसी संग विवाह समारोह के उपलक्ष में बालाजी मॉदिर पर महाप्रसादी के भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही ठाकुर जी महाराज की बारात के दौरान मॉदिर सेवा समिति के अध्यक्ष चांदमल सुवालका उपाध्यक्ष रूप लाल माली रतनलाल सुवालका प्रभु लाल सुथार प्रभुलाल सुवालका बालु लाल सुवालका नरेश सुवालका, नरपत सिंह राठौड़, लोकेश सुवालका, दिनेश सुवालका हरिशंकर तेली सुरेश स्वामी सुनिल सुवालका सहित मॉदिर कमेटी के सभी सदस्य तथा कॉलोनी के अन्य लोग और महिलाएं भी मौजूद थे। उक्त जानकारी दिनेश सुवालका ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एल/विभाग मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों का भ्रष्ट कार्यभार

...और दूसरी तरफ अवैध निर्माण का खुला छूट

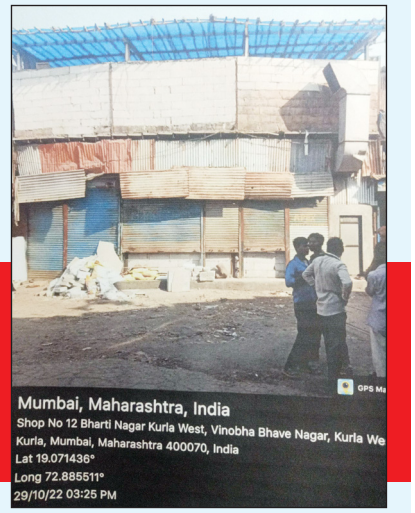

कुर्ला (प.) प्रभाग 166 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत विकाशक व ठेकेदार अफजल द्वारा सीटीएस 405 से 411 कुर्ला विभाग –1 जूना नाम तलहा एक्सप्रेस व होटल चारकोल एंड ग्रिल्स नया नाम नूर मोहम्मदी होटल के अवैध निर्माण पर कब चलेगा मनपा का बुलडोजर?

अजय उपाध्याय /मुंबई हलचल

मुंबई। कुर्ला एल/विभाग मनपा प्रभाग 166 के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत होटल नूरमोहम्मदी के अवैध नव निर्माण को मनपा एल/विभाग के भ्रष्ट अभियंताओ के भ्रष्ट व लचर रवैये के चलते दो मंजिला अवैध निर्माण कर लिया गया है। जबकि मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे क्षेत्र में अवैध नवनिर्माणों पर पाबंदी लगाने का दावा करते है और दूसरी तरफ दिन दुगुना और रात चौगुना अवैध नवनिर्माण जारी है। कुर्ला के स्थानीक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सूबेदार का कहना है कि भ्रष्ट सहायक अभियंता अमोल कोली व कनिष्ठ अभियंता राहुल चौगुले अवैध निर्माण को बढ़ावा देने में कोई कसर नही

सहायक आयुक्त महादेव शिंदे एल/विभाग मनपा कार्यालय

अमोल अरविंद कोली सहायक अभियंता एल/विभाग मनपा

कनिष्ठ अभियंता राहुल चौगुले एल/विभाग मनपा

छोड़ते है जिसके चलते स्थानिक रहिवासियों को मनपा अभियंताओं पर संदेह होता नजर आ रहा है। उनका कहना है कि एल/विभाग मनपा के कार्यक्षेत्र अनेकों अवैध निर्माण जोर शोर से चालू है जिसकी जानकारी विभागीय भ्रष्ट अभियंताओं को है मगर इसके बावजूद उक्त अवैध निर्माण को नजरअंदाज किया जा रहा है। जिससे ये अनुमान लगाया जा सकता है कि उक्त अवैध निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है अन्यथा अब तक उक्त अवैध नव निर्माण को धाराशायी अवश्य कर दिया जाता। गफ्फार जी का कहना है एल/विभाग मनपा अभियंताओ के निष्क्रियता तो दिखाई दे रही है इसीलिए अवैध निर्माण जोरो शोरो में चालू है। कहीं अवैध निर्माणकर्ता से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की मलाई तो नही ले गयी है जिसके चलते कार्रवाई करने में मनपा अधिकारी असमर्थ है क्योंकि उक्त अवैध निर्माण की लिखित शिकायत दिनांक 31/5/2022 को भी की है मगर कार्रवाई नगण्य?

दर्दनाक हादसे में पिता और पुत्री की मौत, मां और बेटा गंभीर रूप से घायल

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

रुड़की (कलियर)। रुड़की के पिरान कलियर थाना क्षेत्र में बाइक सवार एक दंपत्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति और उसके 1 बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई जबकि बच्चा और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए हैं मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 108 की मदद से उपचार के लिए रुड़की सिविल लाइन अस्पताल भेज दिया है जहां अस्पताल के चिकित्सकों ने घायलों की हालत को गंभीर मानते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है वहीं हादसे के बाद वाहन चालक अपने वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया है पुलिस अब वाहन चालक की तलाश करने में जुट गई है, जानकारी के मुताबिक भगवानपुर की ओर से एक बाइक पर पति पत्नी और उनके तीन बच्चे बाइक पर सवार होकर आ रहे थे, जिन्हें इमली खेड़ा मार्ग स्थित स्वदेशी फार्मा फैक्ट्री के पास अज्ञात

वाहन ने टक्कर मार दी वही इस हादसे में भगवानपुर थाना क्षेत्र के बेहबलपुर गांव निवासी 28 वर्षीय असलम और उसकी 7 वर्षीय बच्ची मिसबा की मौत

हो गई जबकि पत्नी और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल रुड़की भेजा गया जहां से अस्पताल के चिकित्सकों ने मां और बेटे को हायर सेंटर रेफर कर दिया है, साथ ही पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन और चालक को हिरासत में ले लिया है, वाहन चालक से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है एसपी देहात स्वरूप किशोर सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिली थी मौके पर पुलिस को भेज दिया गया था, हादसे में पिता और उसकी एक पुत्री की मौत हो गई है, जबकि मां और उसके 1 बच्चे को गंभीर चोटें आई हैं जिनको हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है उन्होंने बताया है कि वाहन को चालक हिरासत में ले लिया गया है, और उससे पूछताछ की जा रही है, पूछताछ करने के बाद आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में दूर करें थकान और तनाव

आजकल के बिजी शेड्यूल के कारण लोगों को थकान और तनाव की समस्यां होती जा रही है। इससे शरीर टूटने, सिर दर्द, कमर दर्द और अनिद्री जैसी प्रॉब्लम हो जाती है। इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अब आपको डॉक्टर या दवाई लेने की जरुरत नहीं। बल्कि इसके लिए अब आप बॉडी मसाज का सहारा ले सकते है। बॉडी मसाज से आपको इन सब समस्याओं से तुरंत ही छुटकारा मिल जाएगा। बस आपको इसके लिए टाइम निकालने की जरुरत पड़ेगी।

1. तनाव से राहत

मसाज करने से स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे तनाव से राहत मिलती है। मसाज करते समय प्रेशर प्वाइंट्स पर दबाव पड़ता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ-साथ शरीर की कार्यक्षमता भी बड़ जाता है। और आप बेहतर महसूस करने लगते है।

2. रक्त संचार

मसाज थेरेपी शरीर पर प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करती है, इससे मांसपेशियों को राहत मिलती है और रक्त संचार बेहतर होता है। जिससे सिर दर्द और कमर दर्द की शिकायत नहीं रहती।

3. वजन घटना

आजकल तो जिम में भी वजन कम करने के लिए बॉडी मसाज पर जोर दिया जाता है। इससे शरीर की नसा कम होती है और थकान भी दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियों में होने वाली परेशानी भी कम हो जाती है।

4. गहरी नींद

ज्यादा काम करने के आप अच्छी नींद नहीं ले पाते जिससे आपको अनिंद्रा की प्रॉब्लम के साथ-साथ और कई तरह की समस्याएं हो जाती है। बॉडी मसाज करने से आपको नींद अच्छी आती है और आपको थकान और तनाव जैसी समस्याएं नहीं होती।

5. सूजन की समस्यां

बॉडी में सूजन की समस्यां होने पर उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। ऐसे मसाज करने से सूजन वाले हिस्से की नसों पर दबाव बढ़ता है और सूजन कम होती है। इसके अलावा चेहरे पर मसाज करने से आपकी त्वचा साफ, शुष्क और हाइड्रेटिड होती है, जिससे आपके चेहरे की खूबसूरती और भी बड़ जाती है।

बालों से लेकर स्किन तक, भिड़ी मास्क करें इस्तेमाल

भिंडी की सब्जी खाना तो हर कोई पंसद करता है। इसमें मौजूद फाइबर, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, पोटाशियम और विटामिन जैसे पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत लाभदायक होते है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि भिंड़ी सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि चेहरे और बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और औषधीय गुण होते है जो स्किन के साथ-साथ बालों की प्रॉब्लम को भी दूर करते है। आइए जानते है किस तरह भिंडी चेहरे और बालों की समस्याओं को दूर कर सकती है।

1. मुहांसो पर असरदार

धूप में ज्यादा रहने से आपकी स्किन खराब हो जाती है। धूप के कारण चेहरे पर मुंहासे, ड्राई स्किन, त्वचा संबंधी संक्रमण, एजिंग और डलनेस जैसी समस्याएं हो जाती है। इन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर चोहरे पर लगा सकती है। इसे लगाने से त्वचा निखरी, बेदाग और खूबसूरत हो जाएगी।

2. भिंडी का मास्क

चेहरे पर से झुर्रियां हटाने के लिए भिंडी बहुत ही अच्छा मॉइस्चराइजर है। इसके लिए भिंडी को ब्लेडर में अच्छी तरह पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15-20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से मुंह धो लें। रोजाना इसको लगाने से थोड़े ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

3. भिंडी की जेल

इसके एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन के रैशेज और इंफेक्शन को खत्म कर देते है। इसके लिए भिंडी को काट कर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इस लिक्विड को कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे स्किन बेदाग और निखर जाएगी।

4. चमकदार बाल

चेहरे के साथ-साथ भिंडी बालों पर भी बहुत असरदार है। स्कैलप पर भिंडी की जेल लगाने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। इसके लिए भिंडी को काट कर पानी में उबाल लें। ठंडा होने पर इसमें नींबू का रस मिलाकर शैंपू के बाद इसके पानी से बालों को धोएं। हफ्ते में 3-4 बार ऐसा करने से बालों में डैडंफ की समस्यां दूर हो जाएगी और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होगी।

5. स्कैल्प मॉइस्चराइजर

स्कैल्प मॉइस्चराइजर बनाने के लिए भिंडी को काट कर पानी में उबालें। इसे गाढ़ा चिपचिपा होने तक पकने दें। इसके बाद इसको छान कर इसमें एक चम्मच शहद और ऑयल डाल दें। ऐसा करने से यह कर्ली और उलझे हुए बालों के लिए एक बहुत अच्छा मॉइस्चराइजर बन जाएगा। इसके अलावा इससे डैडंफ की समस्यां भी दूर हो जाएगी।

गालों को बनाना है गोल-मटोल तो अपनाएं ये तरीके

चेहरे का आकर्षण होती है आंख, नाक, होंठ और गाल। अगर इन चार चीजों की सुंदरता में कमी आ जाए तो पूरे चेहरे की खूबसूरती कम लगने लगती है। बहुत सी लड़कियों की समस्या होती है पिचके गाल। गाल वहीं अच्छे लगते है जो हमारी हंसी को खूबसूरत बना दें। जब गाल अंदर को पिचक जाते है तो जबड़े की हड्डी या त्वचा उभरी हुई दिखाई देने लगती है जिससे चेहरा भद्दा सा दिखने लगता है। लड़कियां अपने गाल को गोलमटोल बनाने के लिए कई ट्रीटमेंट और तरीकों का सहारा लेती है लेकिन को फायदा नजर नहीं आता। अगर आप भी अपने गालों को गोल-मटोल बनाना चहती है तो इस तरीकों को जरूर आजमा कर देखें। शायद यह आपके काफी काम आएं।

गालों को गोल-मटोल बनाने के लिए योग

- कुर्सी या टेबल के सहारे अपनी पीठ बिल्कुल सीधा करके बैठ जाएं। अब जितना मुंह खोल सकते है खोल लें। अब अपने हाथों से दोनों गालों को पकड़कर खींचे। 3द सेकेंड तक ऐसा करें। फिर पहले वाली स्थिति में वापिस आ जाएं। इस एक्सरसाइज को करने से गाल उभरने लगते है।
- एक मिनट तक मुंह को गुब्बारे की तरह ही फुलाकर रखें। दिन में 3 बार ऐसा करें। इससे

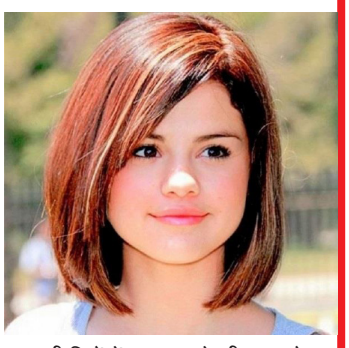

कुछ ही दिनों में गाल गुब्बारे की तरह गोल-मटोल बन जाएंगे।

कुछ घरेलू उपाय

बादाम तेल

बादाम या सरसों के तेल से गालों की मसाज करें। मालिश को कम से कम 5 मिनट तक रोजाना करें। इसी के साथ धूम्रपान और शराब से परहेज करें।

मेथी

मेथी में एंटीऑक्सीडेंट और विटमिन होते हैं जो त्वचा की झुर्रियां और लटकती त्वचा से निजात दिलाते हैं और पिचके गालों का परफैक्ट शेप देते है। रात को मेथी पानी में भिगोकर रख दें और सुबह पेस्ट बनाकर गालों पर लगा लें। सूखने के बाद धो दें।

ग्लिसरीन

गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से रोजाना अपने गालों की मसाज करें। इससे भी उन्हें परफैक्ट शेप मिलेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिल्पा शिंदे की डेली सोप्स में वापसी

टीवी दुनिया की मशहूर अंगूरी भाभी एक बार फिर टीवी पर वापसी करने वाली हैं। जल्द ही 'भाभी जी घर पर हैं' फेम एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अपने फैंस के लिए डेली सोप करती दिखाई देंगी। आपको बता दें, 6 साल से एक्ट्रेस ने कोई डेली सोप नहीं किया है। पिछले काफी वक़्त से वो जिस भी शो का हिस्सा रही हैं उस शो को लेकर उन्होंने काफी बवाल मचाया है। शिल्पा अपनी दमदार एक्टिंग के साथ कॉन्ट्रोवर्सीज के लिए भी याद रखी जाती है। भाभी जी घर पर हैं शो के दौरान भी उनको लेकर बड़ी कंट्रोवर्सी हुई थी। वहीं बिग बॉस के दौरान भी एक्ट्रेस सुर्खियों में रहती थी और अब झलक करते हुए भी उन्होंने कई ऐसे बयान दिए जो काफी सनसनीखेज थे। इसी बीच अब वो जल्द ही एक और शो में नजर आने वाली हैं। एक बार फिर शिल्पा कॉमेडी शो में नजर आएंगी। इस बार वो शो मैडम सर में एक पुलिस वाली का किरदार निभाती दिखेंगी। जी हां, अब शिल्पा शिंदे, सोनी सब के शो 'मैडम सर' में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट्स का कहना है कि शिल्पा इस शो की मेन लीड 'गुल्की जोशी' की जगह लेंगी। हालांकि, अभी तक ये खबर कंफर्म नहीं हुई है कि शिल्पा उनकी जगह लेंगी या फिर सिर्फ कलाकारों में शामिल होंगी। वहीं, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपने किरदार के बारें में बताते हुए कहा, मेरा किरदार पुलिस ऑफिसर का है, जो अपनी जॉब छोड़ देती है और अपने सपनों को जलाकर शादी पर फोकस करती है। उसके सपने अभी भी अधूरे हैं। वो एक लम्बे समय और कई सालों बाद एक बार फिर से अपनी ड्यूटी पर वापस लौट रही है। शिल्पा ने आगे कहा, शो का टाइटल बहुत अट्रैक्टिव है और मैं इससे खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। घर पर मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों ने मुझे 'बॉस' या 'सर' कहकर बुलाया है क्योंकि उन्होंने मुझे बाहर जाकर काम करते देखा है।

रिया चक्रवर्ती की लाइफ में नए शख्स की एंट्री

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती के लाइफ में नए शख्स की एंट्री हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रिया इस समय स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के मालिक बंटी सजदेह को डेट कर रही हैं। सुशांत के मौत के समय रिया को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। उन्हें आए दिन पूछताछ का सामना करना पड़ता था लेकिन अब दो साल बाद ऐसा लगता है कि रिया की जिंदगी में फिर से खुशियां आ गईं हैं। हालांकि बंटी और रिया अपने रिलेशनशिप को प्राइवेट ही रखना चाहते हैं। बता दें कि बंटी सजदेह सोहेल खान से हाल ही में अलग हुईं सीमा सजदेह के भाई हैं। सोर्सेस के मुताबिक, बंटी और रिया साथ में काफी खुश हैं, पिछले कुछ सालों में रिया ने जो कुछ भी झेला है, बंटी ने इस कठिन समय में उनका हमेशा सपोर्ट किया है। जब रिया के साथ चीजें काफी बुरी हो गईं थी उस समय भी बंटी रिया के लिए सपोर्ट सिस्टम बने हुए थे। जब रिया सुशांत आत्महत्या मामले में फंसी हुई थी तो बंटी की टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी ने रिया के सारे प्रोफेशनल कमिटमेंट को मैनेज किया था।

आलिया भट्ट के नक्शेकदम पर चलने को तैयार हुए रणबीर कपूर

सऊदी के जेद्दा में ऑर्गनाइज रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आयोजित किया गया है जिसमें एक के बाद एक बॉलीवुड स्टार्स शिरकत कर रहे हैं। हाल ही में करीना कपूर खान और सैफ अली खान इस इवेंट में पहुंचे थे, वहीं अब अपनी बहन करीना के बाद रणबीर कपूर भी इस इवेंट में पहुंचे। इस दौरान एक्टर खुलकर अपने फ्यूचर प्लान को लेकर बात करते दिखें। इवेंट में रणबीर से उनके फ्यूचर प्लान को लेकर सवाल पूछा गया जिसके जवाब में एक्टर ने कहा, मैं हमेशा से एक फिल्म का डायरेक्टर बनकर उसका निर्माण करना चाहता था। मगर हकिकत में कहानी लिखने का हिम्मत मुझमें नहीं है। मैंने हमेशा एक कहानी के स्वाभाविक रूप से मुझ तक आने का इंतजार किया है। वहीं इस दौरान एक्टर से उनके हॉलीवुड डेब्यू को लेकर भी सवाल किया गया। हॉलीवुड फिल्मों में काम करने को लेकर रणबीर ने कहा, मैं अपनी भाषा में फिल्म करने पर काफी कम्फर्ट फील करता हूं, क्योंकि ये मुझे बहुत अच्छी तरह से आती है। फिलहाल मुझे अपनी इंडस्ट्री से काफी अच्छे ऑफर मिल रहे हैं। ऐसे में अभी मैं इसे छोड़कर नहीं जा सकता हूं और इससे मैं काफी संतुष्ट हूं। इसलिए फिलहाल मैं आगे के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं और न ही इसके बारे में कभी जिक्र करता हूं। रणबीर कपूर ने अपने जवाब से इतना तो साफ कर दिया है कि वो अपनी वाइफ आलिया भट्ट के नक्शेकदम पर चलकर फिलहाल तो हॉलीवुड में कदम नहीं रखने वाले हैं। वहीं आलिया भट्ट जल्द ही फिल्म 'द हॉर्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं।